an>

Title: Regarding stray dog and wild animal menace in Punjab.

**श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) :** मैडम स्पीकर, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही गंभीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। आज देश में आवारा कुत्तों, पशुओं और जंगली जानवरों ने भय का माहौल बना दिया है। आवारा कुत्ते बच्चों को काट लेते हैं, औरतों को काट लेते हैं। इसके लिए दवाई का कोई प्रबंध नहीं है, इसके टीके बहुत महंगे होते हैं। मैं अपनी कंस्टीटयूएंसी आनंदपुर साहिब में दो दिन पहले गया, एक औरत अपने घर के लोगों के लिए खेत में रोटी लेकर गई, उसे रास्ते में कुत्तों ने नोच-नोच कर मार डाला, उसका शरीर नहीं मिला, केवल दो टांगें मिल पाई, ऐसे ही बहुत सारे केसेज हैं।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार कुछ प्रबंध करे, पहले आवारा कुत्तों को पहले दवाई दे देते थे। हमारे एक मंत्री ने इस पर रोक लगा दी, अब दवाई नहीं देने देते, नसबंदी नहीं करने देते। कुत्ते काटने के बाद उपचार के लिए दवाई महंगी है। आवारा पशु किसानों की फसल खराब कर देते हैं। रात को किसान खेतों में नहीं सो पाते हैं। फैंन्सिंग के तार के लिए सरकार सब्सिडी का प्रबंध करे। जंगल से जानवर आते हैं और फसलों को खराब कर देते हैं। इस समस्या को सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। इसी हाऊस में इस केस को कितनी बार रखा गया लेकिन उसका कोई प्रबंध नहीं हो रहा है।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और रविन्द्र कुमार जेना को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।